RAF SECTOR

NEWS CLIP

27/07/2020

TO SERVE HUMANITY WITH SENSITIVE POLICING

Hindustan , Aligarh (U.P.)

अलीगढ़ के दंगों पर काबू पाने में सीआरपीएफ की अहम भूमिका

स्थापना दिवस

अलीगढ़ | कार्यालय संवाददाता

दंगों की आग में झुलसे अलीगढ़ पर काबू पाने में सीआरपीएफ की शुरुआत से ही अहम भूमिका रही है। वर्ष 1977 में जिले में दंगे पर काबू पाने में सीआरपीएफ के जवानों ने अहम रोल निभाया था। इतना ही नहीं, इसके बाद 90 तक दर्जन बार हुए दंगों में सीआरपीएफ ने शांति व्यवस्था कायम रखी है।

वर्ष 1992 में सीआरपीएफ से जवानों को लेकर अलीगढ़ को आरएएफ 104 बटालियन मिली थी। उसके बाद से आरएएफ के जवान दंगा नियंत्रण करने में अपनी अहम भूमिका निभा रहे हैं। अलीगढ़ ही नहीं, विभिन्न जिलों में अपने सेवाएं दे रहे है। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल का 27 जुलाई को 82वां स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। आरएएफ बटालियन सीआरपीएफ का अभिन्न अंग है। 104 बटालियन आरएएफ के कमांडेंट भावेश चौधरी ने बताया कि यह एक विशेष दंगा रोधी बल है। इस बल ने देश की आंतरिक सुरक्षा में अहम योगदान निभाया है। साम्प्रदायिक दंगों के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था स्थापित रहने के लिए आरएएफ का गठन किया गया। वर्तमान में आरएएफ की 15 बटालियन है। देश के विभिन्न इलाकों में राष्ट्र की रक्षा करते हुए इस बल की प्रतिबद्धता और समर्पण असाधारण है। जिस कारण ही सीआरपीएफ एक विश्व के रूप में में सबसे बड़े अर्धसैनिक बल के रूप में स्थापित है। नक्सलियों के सफाये हेतु बनी कोबरा कमांडो बटालियन भी सीआरपीएफ का हिस्सा है। बटालियन अलीगढ़ में हुए विभिन्न दंगों में अहम भूमिका निभा चुकी है। उसमें वर्ष 1990, वर्ष 1992, वर्ष 2006 के दंगे समेत अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में हुए बवाल में भी बटालियन ने शांति व्यवस्था कायम करने में अहम रोल अदा किया है।

लॉकडाउन में जवानों ने घर घर जाकर की मदद : आरएएफ बटालियन ने लॉकडाउन में घर-घर जाकर परिवारों की मदद की है। यहां तक कि फोन के जरिए समस्याएं पूछकर उनका समाधान किया गया।

30 हजार पौधे लगाया : आरएएफ बटालियन ने पिछले दो माह में जगह-जगह 30 हजार पौधे लगाये। इसके जरिए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

रविवार को सीआरपीएफ के स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर रिहर्सल करते जवान।

आज लेंगे प्रतिबद्धता के साथ देश सेवा की प्रतिज्ञा

मुख्य केन्द्रीय कार्यक्रम नई दिल्ली में आज गृहमंत्री अमित शाह समारोह को संबोधित करेंगे। इसके साथ ही एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन सीआरपीएफ की जन्म स्थली नीमच (एमपी) में किया जायेगा। अलीगढ़ में कोरोना के चलते कार्यक्रम भव्य रूप से नहीं किया जा रहा है। समारोह में सभी अधिकारियों और जवानों द्वारा प्रतिज्ञा ली जाएगी कि वह हमेशा प्रतिबद्धता एवं समर्पण के साथ देश सेवा करते रहेंगे।

सीआरपीएफ एवं आरएएफ शुरुआत से ही दंगा नियंत्रण में अहम भूमिका निभाती आई है। इसके अलावा भी आरएएफ सामाजिक कार्यों में भी पीछे नहीं है। लॉकडाउन में भी कई परिवारों का बीड़ा आरएएफ की ओर से उठाया गया।

–**भावेश चौधरी**, कमांडेंट, 104 बटालियन आरएएफ

वाहनों को भी सुरक्षित करने का किया कार्य

आरएएफ अब जवानों को फुल बॉडी प्रोटेक्टर के साथ ही वाहनों को भी सुरक्षित कर रही है। अधिकारियों का मानना है कि कश्मीर के बाद पत्थरबाजी को उपद्रवियों ने हथियार के रूप में इस्तेमाल करना तेजी से शुरू कर दिया है। ऐसे में जवानों को हाईटेक टेक्नोलोजी से लैस किया जा रहा है।

Photos of Deployment/ Fam-Ex Of RAF

सी0आर0पी0एफ0 सदा अजेय, भारत माता की जय।